

शरत्-साहित्य

(दूसरा भाग)

स्वामी, वैकुण्ठका दानपत्र,

अन्धकारमें आलोक



अनुवादकर्ता—

रामचन्द्र वर्मा

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय, बम्बई